काश इन्डिया डांट काम मे अपना नाम पता कैसे देखे?

ज्ञान तत्व के पाठको की सूची आपके पास न होने से आपको कठिनाई होती है। साथ ही आप यह भी नही देख पाते कि आपका नाम है या नही, नाम और पता सही है या नही, आपका नाम किसने और कब भेजा आदि–आदि। आपको यह भी पता नही कि किस शहर के कितने पाठक है किनका शुल्क कितना जमा है इत्यादि।

हम ज्ञान तत्व की पूरी जानकारी अपनी वेबसाइस (www.kaash india.com) काश इडिंया डॉट काम पर डाल रहे है।देखने का तरीका इस प्रकार है–

इसके तीन भाग है–ए, बी और सी।

भाग ए

इसमे आपका क्रमांक तथा पूरा पता है। पूरी जानकारी अकारादि क्रम से प्रदेश अनुसार है। अर्थात पहले असम, आन्ध्र .....हरियाणा, हिमाचल अन्य तक है। अकार क्रम से प्रदेश में भी असम आन्ध्र , उडिसा , कर्नाटक, केरल, गुजरात, कश्मोर, तमिलनाडू दिल्ली, पंजाब, बंगाल, अकार क्रम से है। अन्य प्रदेशों मे जैसे उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ, झारखंड, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, हिमाचल, हरियाणा आदि अकार क्रम के जिले की सूची म आकर अकार क्रम से नाम है। कल्पना करिये कि आपका नाम **मोहन लाल बदायु उत्तर प्रदेश** है। आप असम, आन्ध्र, उडिसा, उत्तरांचल, होते हुए उत्तर प्रदेश जाइय, वहां आप अलीगढ से आगे बढते हुए बदायु पहुचिये । वहां भी अ–आ, क–का होते हुए **म** तक आइये तब **म** के बाद आपको मोहन मिल सकता है। गोवा, अरूणांचल, नेपाल आदि छोटे छोट प्रदेश हिंमाचल के बाद एक अलग स्थान पर अंकित है।

भाग बी

ए भाग मे आपके नाम के सामने एक क्रमांक लिखा है। उक्त क्रमांक इस भाग पर भी देख सकते है। विवरण मे पहले आपका फोन न0– है । उसके आगे आपको प्रस्तावक का नाम या क्रमांक तथा ज्ञान तत्व प्रारंभ होने का माह और वर्ष है। उसके आगे प्रभारी का क्रमांक बाद मे 31 मई सन 2012 तक आये हुए शुल्क का विवरण है। उसके बाद आपके आये हुए नये पत्र का क्रमांक तथा उसके बाद आपका क्रमांक तथा पूरा पता है। आगे के भाग के लिये अपना विवरण आप हमे इ मेल या पत्र द्वारा भेज सकते हैं।

भाग सी

यह सूची 1जून 2012 से नये जुडने वाले पाठकों की है। यह सूची हर माह संकलित तथा संशोधित को जायगी। इस सूची मे नये जुडने वाले पाठक अपना नाम व पता देख सकते है।

नोट–

हमने इस सूची को यथासंभव त्रुटि रहित रखने का प्रयत्न किया है, किन्तु पाठको से निवेदन है कि आप हमे सूची मे किसी भी त्रुटि की सही जानकारी इ मेल (bajrang.muni@gmail.com) पर, फोन, एस.एम.एस या पत्र द्वारा निचे दिये गये पते पर भेज सकते है। हम अगली सूचो मे इस त्रुटि को सुधार देंगे।

पत्र व्यवहार का पता–

श्री बजरंग मुनि, बनारस चौक , अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा (छत्तीसगढ) 497001
मो– 09617079344 कार्यालय– 09179045559